



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 876]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 30, 2009/ज्येष्ठ 9, 1931

No. 876]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 30, 2009/JYAISTHA 9, 1931

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा-शुल्क बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 मई, 2009

सं. 56/2009-सीमा-शुल्क (गै.टै.)

का.आ. 1385(अ).—सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

नियम 1. लघु शीर्ष एवं प्रारम्भन :

(1) इन नियमों को सीमा-शुल्क टैरिफ (मरकोसुर सदस्य राज्यों, जिनमें अर्जेन्टिना गणराज्य, ब्राजील संघ गणराज्य, परुग्वे गणराज्य और रिपब्लिका ओरिएंटल डेल उरुग्वे शामिल हैं, की सरकारों और भारत गणराज्य के बीच अधिमान्य व्यापार करार के अंतर्गत माल के मूल का निर्धारण) नियमावली, 2009 (एतदपश्चात् “नियमावली” के रूप में उल्लिखित) कहा जा सकता है।

(2) यह 1 जून, 2009 को प्रवृत्त होगी।

सामान्य प्रावधान

नियम 2. परिभाषाएं :

इस नियमावली के उद्देश्य के लिए :

(क) “अध्याय”, “शीर्ष” और “उपशीर्ष” के अर्थ हैं नामावली, जो एकरूप प्रणाली अथवा एच एस बनाती है, में प्रयुक्त अध्याय, शीर्ष और उपशीर्ष (क्रमशः दो, चार और छः अंकीय कोड)।

(ख) “सी आई एफ मूल्य” का अर्थ है आयात के बंदरगाह पर जहाज के रेल से माल के गुजरते समय उत्पाद के लिए निर्यातक को भुगतान किया जाने वाला मूल्य;

(ग) “वर्गीकरण” का अर्थ है 6 अंकीय स्तर पर एच एस और 8 अंकीय स्तर पर हस्ताक्षर करने वाले पक्षकारों

के अपने-अपने राष्ट्रीय टैरिफ अनुसूचियों के विशेष उपशीर्ष के अंतर्गत उत्पाद अथवा सामग्री।

(घ) "सीमा शुल्क मूल्य" का अर्थ है जी ए टी टी 1994 (सीमा शुल्क मूल्य पर डब्ल्यू टी ओ करार) के अनुच्छेद VII और अनुच्छेद VII के कार्यान्वयन पर करार के अनुसार यथा निर्धारित मूल्य;

(ङ.) "एफ ओ बी मूल्य" का अर्थ है जहाज पर लदान के नामित बंदरगाह पर जहाज के रेल से माल के गुजरते समय उत्पाद के लिए निर्यातक द्वारा भुगतान किया जाने वाला मूल्य, उसके पश्चात् जहाज पर लदान के लिए आवश्यक खर्च सहित सभी लागत आयातक उठाता है;

(च) "माल" का अर्थ है सामग्रियां एवं उत्पाद दोनों;

(छ) "एकरूप प्रणाली" का अर्थ है नामावली जिसमें अध्यायों और उससे संबंधित संख्या कोड, सेक्शन नोट और अध्याय नोट तथा उनके स्पष्टीकरण के लिए सामान्य नियमावली सहित एकरूप वस्तु विवरण और कोडिंग प्रणाली होती है;

(ज) "विनिर्माण" का अर्थ है विशिष्ट संचालनों के संघटन सहित किसी भी प्रकार का कार्यकरण अथवा प्रसंस्करण;

(झ) "सामग्री" का अर्थ है कच्ची सामग्रियां, अवयव, पूर्ण, संघटक, उपसंघटन और/अथवा माल जिनको भौतिक रूप से किसी अन्य माल के साथ जोड़ा जाता है अथवा जो किसी अन्य माल के उत्पादन में प्रसंस्करण के अध्यधीन होते हैं;

(ञ) "उत्पाद" का अर्थ है विनिर्मित किया जा रहा उत्पाद, चाहे इसका अन्य विनिर्माण कार्य में विनिर्माण के लिए उपयोग क्यों न हो;

(ट) "भारत का क्षेत्र" का अर्थ है भारत के जल क्षेत्र और जल क्षेत्र के ऊपर का आकाशीय क्षेत्र तथा विशिष्ट आर्थिक जोन और महाद्वीप क्षेत्र सहित अन्य नौसैनिक जोन जिन पर भारत गणराज्य की अपने लागू विधानों, समुद्रीय कानून पर 1982 के संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार संप्रभुता है और उसके संप्रभु अधिकार और विशिष्ट क्षेत्राधिकार हैं।

"मरकोसुर के सदस्य राज्यों के क्षेत्र" का अर्थ है विशिष्ट आर्थिक जोनों और महाद्वीप क्षेत्र सहित उनके अपने-अपने क्षेत्रीय समुद्रों और ऊपर के आकाशीय क्षेत्र एवं अन्य नौसैनिक जोन सहित मरकोसुर के सदस्य राज्यों के अपने-अपने क्षेत्र जिनपर उनकी अपने अपने लागू विधानों, समुद्रीय कानून पर 1982 के संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार संप्रभुता है, उनसे संप्रभु अधिकार अथवा विशिष्ट क्षेत्राधिकार हैं।

(ठ) "मूल सामग्रियों के मूल्य" का अर्थ है एफ ओ बी मूल्य के आधार पर ऐसी सामग्रियों का मूल्य।

खंड-II

मूल माल के लिए मानदंड

नियम 3. सामान्य अनिवार्यताएं

मरकोसुर सदस्य राज्यों जिनमें अर्जेन्टिना गणराज्य, ब्राजील संघ गणराज्य, पेरू एवं गणराज्य और रिपब्लिका डेल उरुग्वे शामिल हैं, की सरकारों और भारत गणराज्य के बीच

अधिमान्य व्यापार करार (एतदपश्चात् "करार" के रूप में उल्लिखित) को कार्यान्वित करने के उद्देश्य के लिए निम्नलिखित माल को हस्ताक्षर करने वाले पक्षकार के यहां उत्पादित समझा जाएगा:

- (क) इस नियमावली के नियम 5 में यथा परिभाषित हस्ताक्षर करने वाले पक्षकार के क्षेत्र में पूर्णतया उत्पादित अथवा वहां से प्राप्त माल;
- (ख) हस्ताक्षर करने वाले पक्षकार के क्षेत्र में पूर्णतया नहीं उत्पादित माल में प्रावधान है कि उक्त उत्पाद इस नियमावली के नियम 7 के साथ पठित नियम 4 अथवा नियम 6 के अंतर्गत पात्र हैं।

2. उपर्युक्त पैरा 1 के प्रावधानों में प्रयुक्त अथवा पुराने माल शामिल नहीं हैं।

नियम 4. मूल का समेकन

हस्ताक्षर करने वाले किसी पक्षकार के यहां उत्पादित माल का जब दूसरे हस्ताक्षर करने वाले पक्षकार के यहां तैयार उत्पाद के लिए निविष्टि के तौर पर इस्तेमाल होता है तो उसे दूसरे पक्षकार के यहां उत्पादित माना जाएगा।

नियम 5. पूर्णतया उत्पादित अथवा प्राप्त उत्पाद

निम्नलिखित को किसी भी हस्ताक्षर करने वाले पक्षकार के क्षेत्र में पूर्णतया उत्पादित अथवा प्राप्त समझा जाएगा:

- (क) किसी भी हस्ताक्षर करने वाले पक्षकार के अपने क्षेत्रीय समुद्रों, उपमहाद्वीप क्षेत्र अथवा विशिष्ट आर्थिक जोन सहित उनकी मृदा अथवा अवमृदा से प्राप्त खनिज उत्पाद;
- (ख) उनके क्षेत्रीय समुद्रों, उपमहाद्वीप क्षेत्र अथवा विशिष्ट आर्थिक जोन सहित वहां उपजाए गए, काटे गए, चुने गए अथवा संग्रहित किए गए पौधे¹ और पौधे से प्राप्त उत्पाद;
- (ग) पशुपालन सहित वहां जन्मे और बड़े किए गए जीवित पशु²;
- (घ) उपर्युक्त (ख) में यथा उल्लिखित जीवित पशु से प्राप्त उत्पाद;
- (ङ.) अपने समुद्रीय क्षेत्र, उपमहाद्वीप क्षेत्र अथवा विशिष्ट आर्थिक जोन सहित वहां शिकार किए गए, पकड़े गए, संग्रहित किए गए पशु और पकड़ी गई मछलियां और उनके उत्पाद;
- (च) किसी भी पक्षकार के क्षेत्र में किए गए उपयोग, उपभोग अथवा विनिर्माण संचालनों के परिणामस्वरूप रद्दी और चूरा, बशर्त कि वे केवल कच्ची सामग्रियों को प्राप्त करने के लिए उपयुक्त हों;
- (छ) राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार की सीमाओं से बाहर समुद्र और अवमृदा से प्राप्त उत्पादों को।

1 पौधे, बानिकी उत्पाद, फल, फूल, सब्जी, पेड़, समुद्र वनस्पति और फंजाई सहित समस्त पौधे जीवन को संरक्षित करते हैं।

2 पशु जिन्हें अनुच्छेद (ग), (घ) और (ङ.) में संदर्भित किया गया है उनमें स्तनधारी, पक्षी, मछली, कपड़े-पैदावा, मोसमस और राक्षस सहित समस्त पशु जीवन शामिल हैं।

- (i) उस राज्य से प्राप्त माना जाएगा जिसे अंतर्राष्ट्रीय समुद्र प्राधिकरण द्वारा उपयोग अधिकार प्रदान किए गए हैं;
- (ii) पूर्णतया प्रायोजक राज्य से प्राप्त माना जाएगा जिसे अंतर्राष्ट्रीय समुद्र प्राधिकरण द्वारा प्राकृतिक अथवा विधिक उपयोग अधिकार दिए गए हैं
- (ज) किसी भी पक्षकार के यहां उपर्युक्त उप पैरा (क) से (छ) में विनिर्दिष्ट विशिष्ट उत्पादों से उत्पादित माल

नियम 6. उत्पाद जो पूर्णतया उत्पादित अथवा प्राप्त नहीं हैं:

1. नियम 3(1) (ख) के उद्देश्य के लिए उत्पाद किसी देश में उत्पादित तभी माना जाता है जब हस्ताक्षर करने वाले पक्षकार को छोड़कर किसी भी देश की सभी गैर उत्पादित सामग्रियों और/अथवा विनिर्माण में प्रयुक्त अनिर्धारित मूल की सामग्रियों का सी आई एफ मूल्य अंतिम उत्पाद के एफ ओ बी मूल्य के 40% से अधिक नहीं हो और विनिर्माण की अंतिम प्रक्रिया नियम 7 के प्रावधानों को पूरा करने पर निर्यातक हस्ताक्षर करने वाले पक्षकार के क्षेत्र के अंतर्गत पूरी की जाती है।

2. बिना समुद्रीय सीमा रेखा वाले देशों के लिए गैर मूल की सामग्रियों का सी आई एफ मूल्य निर्धारित करने के लिए प्रथम समुद्रीय बंदरगाह अथवा किसी दूसरे हस्ताक्षर करने वाले पक्षकार के यहां स्थित अंतर्देशीय पोर्ट, जिसके माध्यम से गैर मूल वाली सामग्रियों का आयात किया गया है को निर्धारित पोर्ट समझा जाएगा।

3. गैर मूल वाली सामग्रियों, हिस्से अथवा उत्पाद का मूल्य:

(i) उत्पाद के आयात के समय सी आई एफ मूल्य होगा, जहां इसे सिद्ध किया जा सके; अथवा

(ii) हस्ताक्षर करने वाले पक्षकार के क्षेत्र में, जहां कार्यकरण अथवा प्रसंस्करण होता है, अनिर्धारित मूल के उत्पादों के लिए भुगतान किए गए पूर्व में निर्धारित मूल्य होगा।

4. 60% मूल्य वर्धित के लिए सूत्र निम्न प्रकार होगा:

आयातित गैर मूलवाली सामग्रियों, अनिर्धारित मूल वाली सामग्रियों, हिस्से
हिस्से अथवा उत्पाद का सी + अथवा उत्पाद का सी आई एफ मूल्य
आई एफ मूल्य

..... x 100% < 40%

एफ ओ बी मूल्य

नियम 7. मूल का दर्जा प्रदान करने के लिए अपर्याप्त समझी जाने वाली प्रक्रियाएं एवं संचालन

ऐसे उत्पादों के मामले में जिनमें गैर मूल वाली समग्रियां हैं अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित संचालनों को मूल उत्पाद का दर्जा प्रदान करने के लिए अपर्याप्त कार्यकरण अथवा प्रसंस्करण माना जाएगा चाहे नियम 6 की अपेक्षाएं पूरी हों अथवा नहीं :

- (क) परिहवन और भंडारण के दौरान यह सुनिश्चित करने के लिए कि उत्पाद अच्छी स्थिति में रहें, संरक्षण संचालन जैसे, वातन, शुष्कीकरण, प्रशीतन, नमकीन अथवा सल्फर मिश्रित अथवा अन्य पदार्थ मिश्रित जल में उत्प्लावन, नष्ट भागों को निकालना तथा ऐसे अन्य संचालन;
- (ख) जल अथवा किसी अन्य पदार्थ, जो उत्पाद के गुणों को अधिक परिवर्तित नहीं करे में घोलना;
- (ग) साधारण संचालन जैसे, धूल निकालना, स्थान परिवर्तन करना, जांच करना, छांटना, वर्गीकृत करना, ग्रेडिंग करना, मिलाना, धोना, रंगना, भूसी निकालना, बीजों का भंडारण, तराशना और काटना;
- (घ) पैकेज का साधारण परिवर्तन और अलग करना तथा पैकेजों का मिलाना;
- (ङ.) बोटलों, बर्तनों, फ्लास्कों, बैगों, पेटियों, बक्सों में सामान्य पैकिंग कार्ड अथवा बोर्ड चिपकाना तथा अन्य सामान्य पैकिंग संचालन;
- (च) चिन्ह, लेबल, लोगो चिपकाना अथवा मुद्रित करना तथा उत्पादों अथवा अपने पैकेज पर ऐसे ही विशिष्ट चिन्ह लगाना;
- (छ) ऑक्साईड, तेल, रंग अथवा अन्य परतों को हटाने सहित साधारण सफाई;
- (ज) स्वीकृत प्रणाली के सामान्य नियम 2क के अनुसार संघटन अथवा भागों में उत्पाद का विघटन;
- (झ) पशुओं का काटना ;
- (ञ) उत्पादों का साधारण मिश्रण बशर्ते कि प्राप्त उत्पाद के गुण अनिवार्य रूप से मिश्रित उत्पादों के गुणों से भिन्न नहीं हों;
- (ट) तेल का अनुप्रयोग
- (ठ) उपर्युक्त संचालनों में से दो अथवा अधिक का योग ।

नियम 8. सहायक उपकरण, खुले पूर्ज और औजार

1. माल के साथ भेजे गए सहायक उपकरण, खुले पूर्ज अथवा औजार, जो माल के मानक उपकरण, खुले पूर्ज अथवा औजार हैं, को मूल माना जाएगा यदि माल का मूल है और यह निर्धारण करते समय कि माल के उत्पादन में प्रयुक्त गैर मूल वाली सभी सामग्रियों में टैरिफ वर्गीकरण में लागू परिवर्तन होता है अथवा नहीं, इन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, बशर्ते कि :

(क) सहायक उपकरणों, खुले पूर्जों अथवा औजारों का माल से पृथक बीजक नहीं बना हो, भले ही बीजक में पृथक रूप से उनका ब्यौरा हो;

(ख) उपकरणों, खुले पूर्जों अथवा औजारों की मात्रा और मूल्य माल के लिए प्रथागत होते हैं।

2. प्रत्येक हस्ताक्षर करने वाला पक्षकार यह प्रावधान करेगा कि माल मूल्य वर्धित अपेक्षाओं के अध्वधीन हो/सहायक उपकरणों, खुले पूर्जों अथवा औजारों के मूल्य को मूल्य वर्धन का परिकलन करते समय मूल अथवा गैर मूल सामग्रियों के रूप में ध्यान रखा जाएगा।

नियम 9. प्रतिमोच्य सामग्रियां

1. यह स्थापित करने के लिए कि क्या उत्पाद का मूल है या नहीं जब इसके विनिर्माण में मूल और गैर मूल की प्रतिमोच्य सामग्रियों, मिश्रित अथवा भौतिक रूप से संयोजित, का उपयोग होता है तो ऐसी सामग्रियों के मूल का निर्धारण हस्ताक्षर करने वाले पक्षकार के यहां लागू खोज प्रबंधन पद्धतियों द्वारा किया जाता है।

2. जब मूल और गैर मूल वाली ऐसी सामग्रियों का पृथक स्टॉक रखने में अत्यधिक लागत अथवा अत्यधिक कठिनाईयां आती हैं, जो समान और एक दूसरे से परिवर्तन किए जाने योग्य हैं तो सीमा शुल्क प्राधिकारी संबंधित प्राधिकारियों के लिखित अनुरोध पर ऐसे स्टॉक के प्रबंधन के लिए "लेखा पृथकीकरण" पद्धति का उपयोग करने के लिए प्राधिकृत कर सकता है।

3. यह पद्धति यह सुनिश्चित करने में समर्थ होनी चाहिए कि प्राप्त उत्पादों की संख्या जिन्हें "मूल" के रूप में माना जा सके, वही होनी चाहिए जो स्टॉक के भौतिक पृथकीकरण के बाद प्राप्त होती ।

4. सीमा शुल्क प्राधिकारी किसी उपयुक्त समझी गई शर्तों के अधीन ऐसा प्राधिकार प्रदान कर सकते हैं।

5. जहां उत्पाद विनिर्मित होता है उस देश में लागू सामान्य लेखा सिद्धांतों के आधार पर इस पद्धति को रिकार्ड की जा सकती है और लागू की जा सकती है।

6. उस सुविधा का लाभग्राही ऐसे उत्पादों की मात्रा के लिए जिन्हें मूल समझा जा सकता है मूल के सबूत जारी कर सकता है अथवा इसके लिए आवेदन कर सकता है। सीमा शुल्क प्राधिकारियों के अनुरोध पर लाभग्राही इस आशय का विवरण प्रस्तुत करेगा कि मात्राओं का प्रबंधन कैसे किया गया है।

7. सीमा शुल्क प्राधिकारी दिए गए प्राधिकार के इस्तेमाल की मानीटरिंग करेंगे और जब लाभग्राही किसी भी रूप में प्राधिकार का अनुपयुक्त इस्तेमाल करता है अथवा इन नियमों में दी गई अन्य शर्तों में से किसी भी शर्त को पूरी नहीं करता है तो प्राधिकारी इस प्राधिकार को वापस ले सकते हैं।

नियम 10. सेट्स

जैसा कि एकीकृत प्रणाली के सामान्य नियम 3 में परिभाषित है, सेट्स को तभी मूल माना जाएगा जब सभी संघटक उत्पाद मूल हों। इसके बावजूद जब भी सेट मूल और गैर मूल वाले माल से बने हों, पूरे सेट को मूल माना जाएगा, बशर्ते कि सेट को बनाने में प्रयुक्त गैर मूल वाले माल का सी आई एफ मूल्य सेट के एफ ओ बी मूल्य के 15% से अधिक नहीं हो।

नियम 11. खुदरा विक्रय हेतु पैकेज एवं पैकिंग सामग्रियां

1. एकीकृत प्रणाली के सामान्य नियम 5 (ख) के अनुसार जब पैकेज्ड उत्पाद के साथ खुदरा विक्रय के लिए पैकेजों और पैकिंग सामग्रियों को वर्गीकृत किया जाता है तो इन्हें यह विचार करने के लिए ध्यान में नहीं रखा जाएगा कि उत्पाद के विनिर्माण में प्रयुक्त सभी गैर-मूल वाली सामग्रियां उक्त उत्पाद के टैरिफ वर्गीकरण के परिवर्तन के अनुरूप मानदंड को पूरा करती हैं अथवा नहीं।

2. यदि उत्पाद मूल्य संवर्द्धन मानदण्ड के अधीन है तो उद्भव संबंधी आकलन में खुदरा बिक्री मूल्य के लिए पैकेजों और पैकिंग सामग्री के मूल्य पर भी विचार किया जाएगा बशर्ते कि उनको सीमा शुल्क के प्रयोजन से प्रश्नगत माल माना गया हो।

नियम 12. परिवहन के लिये कन्टेनर और पैकिंग सामग्री

हार्मोनाइज्ड सिस्टम के साधारण नियम 5ख के अनुसार किसी माल के उद्भव के निर्धारण में उन कन्टेनरों और पैकिंग सामग्रियों पर विचार नहीं किया जाएगा जिनका प्रयोग अन्न्य रूप से उत्पाद के परिवहन के लिए किया जाता हो।

नियम 13. उदासीन तत्व या प्रत्यक्ष सामग्री

“उदासीन तत्व” या “प्रत्यक्ष सामग्री” से अभिप्राय ऐसे माल से है जिसका प्रयोग माल के उत्पादन, परिमाण या निरीक्षण में तो हुआ हो लेकिन उन्हें माल में मौलिक रूप से शामिल न किया गया हो या ऐसे माल से है जिसका प्रयोग भवन के रखरखाव में या माल के उत्पादन से संबंधित उपकरणों को चलाने में हुआ हो, जिसमें शामिल है :

(क) ऊर्जा और ईंधन

(ख) संयंत्र और उपकरण

(ग) टूल्स, डाईज, मशीन्स और माउल्ड्स

(घ) संयंत्र, उपकरण और भवन की देखभाल में प्रयुक्त कलपुर्जे और सामग्री

(ङ) वे माल जो उत्पाद के अंतिम संघटन में शामिल नहीं होते हैं

(च) ग्लोब्स, ग्लासेस, फूटवियर, कपड़े, उपकरण और आपूर्तियां

(छ) उपकरण, साधन और आपूर्ति जिनका प्रयोग माल के परीक्षण या निरीक्षण में हुआ है।

2. प्रत्येक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार यह प्रावधान करेगा कि कोई प्रत्यक्ष सामग्री एक उद्भूत सामग्री मानी जाएगी चाहे उनका उत्पादन कहीं भी हुआ हो। इसके लागत मूल्य को निर्यात उत्पाद के उत्पादक के लेखांकन दस्तावेजों में दर्ज किया जाएगा।

नियम 14. प्रत्यक्ष परिवहन, मार्गस्थ और ट्रांस-शिपमेंट

किसी उद्भूत माल या उत्पादों को इस करार के अंतर्गत प्रावधानित वरीयतापरक संव्यवहार का लाभ दिलाने के लिए, इनका परिवहन निर्यात करने वाले हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार और आयात करने वाले हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के बीच प्रत्यक्ष रूप से किया जाएगा।

पक्षकार - माल अथवा उत्पाद का परिवहन सीधे किया जाता है बशर्ते कि :

उनका परिवहन या एक से अधिक हस्ताक्षरकर्ता के भू-भाग से होते हुए हो रहा हो।

1. ये किसी तीसरे देश के एक या अधिक भू-क्षेत्रों में मार्गस्थ हों, चाहे ऐसे भू-भाग में ट्रांस-शिपमेंट या अस्थायी वेयरहाउसिंग हो या नहीं, और ये वहां के सीमा शुल्क प्राधिकारियों की निगरानी में हों, बशर्ते कि :

- (i) ऐसी मार्गस्थ प्रविष्टि भौगोलिक कारणों से ऐसी किन्हीं बातों से औचित्यपूर्ण हों जो अनन्य रूप से परिवहन संबंधी जरूरतों से संबंधित हो;
- (ii) ये मार्गस्थ देश में व्यापार, उपभोग, प्रयोग या रोजगार के लिए न हों;
- (iii) माल उतारने, पुनः माल चढ़ाने या अन्य कोई कार्य जो उनको अच्छी स्थिति में सुरक्षित रखने के लिए जरूरी हो, के अलावा इनको और किसी कार्य में शामिल न किया जाए।

खण्ड - III

उद्भव का प्रमाण

नियम 15. उद्भव प्रमाण

1. उद्भव प्रमाण पत्र एक ऐसा दस्तावेज है जिससे यह प्रमाणित होता है कि माल इन नियमों में निर्धारित उद्भव संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है जिससे कि इसे इस करार में यथा पूर्वापेक्षित वरीयतापरक टैरिफ संव्यवहार का लाभ मिल सकता है। उक्त प्रमाण पत्र केवल एक आयात प्रचालन जो एक या अधिक माल से संबंधित हो सकता है, के लिए वैध होगा और इसकी एक मूल प्रति दस्तावेज में संलग्न होगी

जिससे कि उसे आयात करने वाले हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सीमा शुल्क प्राधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके ।

2. मूल प्रमाण पत्र को जारी करने और इस पर नियंत्रण रखने की जिम्मेदारी, प्रत्येक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सरकारी कार्यालय की होगी। उद्भव प्रमाण पत्र उन प्राधिकारियों के द्वारा अथवा उस शिष्ट मण्डल के माध्यम से जारी किया जाएगा जिनका उल्लेख नियम 17(5) में किया जाएगा ।
3. उद्भव प्रमाण पत्र इन नियमों के परिशिष्ट में संलग्न उद्भव प्रमाण पत्र के नमूने और उनके पूरा होने के नोट्स के अनुसार तथा माल अंतिम उत्पादक और संबंधित वाणिज्यिक बीजक की शपथपूर्ण घोषणा के आधार पर जारी किए जाएंगे। सभी मामलों में, वाणिज्यिक बीजक की संख्या को मूल प्रमाण पत्र में इस निमित्त आरक्षित बाक्स में दर्शाना होगा ।

नियम 16. तीसरे प्रचालक द्वारा किया जाने वाला प्रचालन

1. उद्भव प्रमाण पत्र जारी करने के लिए यदि व्यापारिक माल किसी प्रचालक द्वारा किसी तीसरे देश, चाहे वह हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार हो या नहीं, से इनवायस्ड किया है तो माल का अंतिम उत्पादक या निर्यातक पहला वाणिज्यिक बीजक प्रस्तुत करेगा और उत्पादक द्वारा एक तत्संबंधी शपथ उद्घोषणा प्रस्तुत की जाएगी जिससे यह प्रमाणित हो कि उक्त माल इन नियमों के उद्भव परक मानदण्डों को पूरा करता है । स्थानीय मूल्य संवर्द्धन की गणना में केवल उसी मूल्य संवर्द्धन को शामिल किया जाएगा जो हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार में हुआ हो ।
2. उद्भव संबंधी देश का उत्पादक या निर्यातक संबंधित उद्भव प्रमाण पत्र में, "पर्यवेक्षण" के लिए आरक्षित बाक्स में, यह जानकारी देगा कि उक्त प्रमाण पत्र से संबंधित माल किसी तीसरे प्रचालक द्वारा इनवायस्ड किया जाएगा, साथ ही में वह इस प्रचालक द्वारा जारी वाणिज्यिक बीजक में से निम्नलिखित बातों का उल्लेख करेगा यथा : नाम, पता, देश, संख्या और तारीख ।
3. यदि नियम 16 (2) में उल्लिखित आवश्यकताओं को पूरा करना संभव नहीं है तो आयात अनुरोध के साथ संलग्न वाणिज्यिक बीजक में एक शपथ उद्घोषणा देनी होगी जिससे मूल प्रमाण पत्र के तदनुरूपी वाणिज्यिक बीजक का सत्यापन हो सके । शपथ उद्घोषणा में तत्संबंधी संख्या और मूल प्रमाण पत्र के जारी होने की तारीख दी गई होगी और इस पर प्रचालक के हस्ताक्षर होंगे । यदि यह शर्त पूरी नहीं हो पाती है तो सीमा शुल्क अधिकारी उद्भव प्रमाण पत्र को स्वीकार नहीं करेगा और इस करार में निर्धारित टैरिफ वरीयता का लाभ नहीं देगा ।

नियम 17. उद्भव प्रमाण पत्रों का जारी किया जाना

1. उद्भव प्रमाण पत्र जारी करने के लिए माल का अंतिम उत्पादक या निर्यातक तत्संबंधी वाणिज्यिक बीजक प्रस्तुत करेगा और अनुरोध करेगा जिसमें अंतिम उत्पादक द्वारा ऐसी शपथ उदघोषणा दी गई होगी जिससे यह प्रमाणित हो कि उक्त माल इन नियमों में दी गई उदभव संबंधी मानदंडों को पूरा करता है और साथ ही साथ ऐसे आवश्यक दस्तावेज संलग्न करने होंगे जो ऐसी उदघोषणा का समर्थन करते हैं। उक्त शपथ उदघोषणा में कम से कम निम्नलिखित तथ्य शामिल होंगे :-

- (क) व्यक्ति का नाम और कंपनी का नाम
- (ख) विधिक अधिवास
- (ग) निर्यात किये जाने वाले माल का विवरण और इसका टैरिफ वर्गीकरण
- (घ) निर्यात किये जाने वाले माल का एफओबी मूल्य
- (ङ.) निर्यात किए जाने वाले माल से संबंधित जानकारी जिसमें निम्न तथ्य दर्शाये गए होंगे:-

I निर्यात करने वाले हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के यहां उदभूत सामग्री, घटक और/या कलपुर्जे

II अन्य हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के यहां उदभूत सामग्री, घटक और/या कलपुर्जे जिसमें निम्नलिखित तथ्य दर्शाए गए होंगे;

- 1. उद्भव
- 2. टैरिफ वर्गीकरण
- 3. सीआईएफ मूल्य, अमरीकी डालर में
- 4. अंतिम उत्पाद के कुल मूल्य का प्रतिशत

III हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के यहां न उदभूत होने वाली सामग्री, घटक और / या कलपुर्जे जिसमें निम्नलिखित तथ्य दर्शाए गए होंगे :-

- 1. निर्यात करने वाला देश
- 2. टैरिफ वर्गीकरण
- 3. सीआईएफ मूल्य, अमरीकी डालर में
- 4. अंतिम उत्पाद के कुल मूल्य का प्रतिशत

IV विनिर्माण प्रक्रिया का वर्णन

2. उदभव परक शपथ उदघोषणा में दिया गया माल का विवरण; जिससे इन नियमों में निर्धारित उदभवपरक शर्तों का पूरा होना अभिप्रमाणित होता है, संबंधित टैरिफ वर्गीकरण के

संदर्भ में होगा और साथ ही साथ वाणिज्यिक बीजक और उदभव प्रमाण पत्र के माल के विवरण की तदनुरूपी होगा ।

3. यदि माल का नियमित रूप से निर्यात होता हो और उनके विनिर्माण की प्रक्रिया में साथ ही साथ उनकी निर्माण सामग्री में कोई परिवर्तन न होता हो तो, उत्पादक की शपथ उदघोषणा एक सौ अस्सी (180 दिन तक वैध रहेगी जिसकी गिनती उदभव प्रमाण पत्र के जारी होने की तिथि से की जायेगी ।

4. उदभव प्रमाण पत्र अनुरोध के प्रस्तुत किये जाने के बाद से 5 कार्य दिवस के अंदर-अंदर जारी किया जायेगा और यह उनके जारी होने की तिथि से एक सौ अस्सी (180) दिन तक वैध रहेगा, जिसे एक जरूरी अवधि के लिए तब बढ़ाया जा सकेगा जब माल के स्थगन आयात की स्थिति में रखा गया हो जिसका अभिप्राय माल को जमा करने से ही है और माल में किसी तरह के परिवर्तन करने की अनुमति नहीं होगी ।

5. उदभव प्रमाणपत्र उस सरकारी कार्यालय द्वारा हस्ताक्षरित और जारी किए जाएंगे जिनके लिए हस्ताक्षरकर्ता यथकार निर्देशित करेंगे जो उदभव प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने और जारी करने के अपने कार्य को अन्य सरकारी कार्यालयों या उच्च प्रतिनिधि निगमित निकायों को प्रत्यायोजित कर सकते हैं ।

6. उदभव प्रमाण पत्र खेप से संबंधित वाणिज्यिक बीजक के जारी होने की तिथि से पहले जारी नहीं किये जा सकेंगे, लेकिन इनको उसी तारीख को या अगले 60 दिन के भीतर जारी किया जा सकेगा ।

7. प्रार्थना करने वाला पक्षकार और सत्यापित करने वाले कार्यालय या संस्थाएं उदगम प्रमाण पत्र के समर्थन के दस्तावेजों को इसके जारी होने की तिथि से कम से कम 5 वर्षों से कम तक की अवधि के लिए रखेंगे। सत्यापित करने वाले कार्यालय या संस्थाएं उनके द्वारा जारी किए गए प्रमाणपत्रों की अनुक्रमानुसार गणना करेंगे ।

8. सत्यापित करने वाले कार्यालय सभी जारी किए गए उदगम प्रमाण पत्रों का स्थाई रिकार्ड रखेंगे जिसमें कम से कम प्रमाण पत्र संख्या, प्रार्थना करने वाले पक्षकार का नाम और इसके जारी करने की तिथि शामिल होगी ।

खण्ड IV

उदगम प्रमाण पत्रों का नियंत्रण एवं सत्यापन

नियम 18.

इन नियमों के अनुसार प्रस्तुत उदगम प्रमाण पत्रों के होने पर भी आयातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी न्यायोचित शंका के मामले में निर्यातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारियों के पास प्रमाण पत्र की वैधता एवं सत्यता के लिए अतिरिक्त सूचना हेतु प्रार्थना कर सकता है। यह सीमा शुल्क नियमों के उल्लंघन से संबंधित राष्ट्रीय विधान के लागू होने में बाधक नहीं होगा।

2. इस नियम के अनुसार अतिरिक्त सूचना की प्रार्थना की अनुपालना रजिस्ट्रारों और दस्तावेज जो कि सरकारी कार्यालयों या संस्थाओं में उदगम प्रमाणपत्र के जारी करने के हकदार हैं, के संदर्भ में किया जाएगा। उदगम प्रमाणपत्रों के जारी होने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की प्रतिया उपलब्ध कराई जा सकती हैं। यह नियम जैसाकि सीमा शुल्क सहयोग करार में उल्लिखित है, सूचना के आदान-प्रदान से नहीं रोकता है।

3. प्रमाण पत्र की प्रामाणिकता या इसके आंकड़ों की सत्यता के संबंध में शंकाओं के कारणों को स्पष्ट एवं सुस्पष्ट तरीके से रखा जाएगा। इस उद्देश्य के लिए उस पर विचार विमर्श प्रत्येक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार द्वारा पदनामित सक्षम प्राधिकारियों द्वारा विशिष्ट कार्यालय द्वारा किया जाएगा।

4. आयातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार वस्तुओं के आयात की कार्रवाई को नहीं रोकेंगे यद्यपि वे अपने राजकोषीय हितों की सुरक्षा के लिए अपनी किसी रीति के लिए गारंटी की प्रार्थना एक पूर्व शर्त के रूप में आयात क्रियाओं के पूरा करने हेतु प्रार्थना कर सकते हैं।

5. यदि गारंटी की आवश्यकता है तो इसकी राशि लागू सीमा शुल्क के मूल्य से अधिक नहीं होगी जो तृतीय देश से वस्तुओं के आयात करने के संबंध में होती है जो कि आयातक देश के विधान के अनुसार है।

नियम 19.

निर्यातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी नियम 18 के अनुसार प्रार्थित सूचना को प्रार्थना की प्राप्ति के 30 दिनों के भीतर उपलब्ध कराएंगे।

नियम 20.

नियम 19 के प्रावधानों के अंतर्गत प्राप्त की गई सूचना प्रकृति में गोपनीय होगी और इसका उपयोग आयातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारियों द्वारा जांचाधीन मामले को सुलझाने के लिए तथा जांच और विधिक कार्यवाहियों के दौरान किया जाएगा।

नियम 21.

उन मामलों में जिनमें नियम 18 के अंतर्गत प्रार्थित सूचना नियम 19 के स्थापित समय सीमा के अंतर्गत उपलब्ध नहीं कराई जाती है या उन वस्तुओं के उदगम से संबंधित शंका को स्पष्ट करने में पर्याप्त नहीं है तो आयातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी सूचना की प्रार्थना की तिथि से 60 दिनों के भीतर मामले पर जांच शुरू कर सकते हैं। यदि सूचना संतोषजनक है तो उल्लिखित प्राधिकारी आयातक को नियम 18 में संदर्भित गारंटी से 30 दिनों के भीतर मुक्त कर सकेंगे।

नियम 22.

1. जांच की अवधि के दौरान आयातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी समान वस्तुओं का उसी निर्यातक या उत्पादक से नयी आयात प्रक्रियाओं को नहीं रोकेंगे। यद्यपि वे अपने राजकोषीय हितों की रक्षा के उद्देश्य से अपनी किसी कार्यरिती के बारे में गारंटी की प्रार्थना एक पूर्व शर्त के रूप में आयात प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए कर सकते हैं।
2. गारंटी राशि की जब भी प्रार्थना की जाए वह नियम 18 के अनुसार होगी।

नियम 23.

आयातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी तुरंत आयातक और निर्यातकर्ता हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारियों को नियम 24 के अनुसार उदगम जांच की शुरुआत की सूचना देंगे।

नियम 24.

अनवेषण प्रक्रिया के दौरान आयात हस्ताक्षरकर्ता पक्ष के सक्षम प्राधिकारी कर सकते हैं:

- (क) निर्यातक हस्ताक्षरकर्ता पक्ष के सक्षम प्राधिकारियों के जरिए प्रार्थना, नई जानकारी साथ में मूल प्रमाणपत्र जो जांचाधीन है, को जारी करने वाले व्यक्ति के पास दस्तावेज की कोई प्रति, नियम 18 के अनुसार जो ऐसे उल्लिखित दस्तावेजों की प्रमाणिकता और उसमें दी गई सूचना की सत्यता को सत्यापित करना आवश्यक है। ऐसी प्रार्थना में संख्या तथा उदगम प्रमाण पत्र जो जांचाधीन है, की जारी करने की तिथि दर्शाई जाएगी।

(ख) स्थानीय या क्षेत्रीय जुड़ाव मूल्य की सामग्री के सत्यापन के उद्देश्य से किसी सूचना तक पहुंच आवश्यक है या सी आई एफ को स्थापित करने के लिए दस्तावेज आवश्यक हैं जो गैर उदगम वस्तुएं जो कि वस्तुओं के उत्पादन के लिए प्रयुक्त की गई हैं तथा अन्वेक्षाणाधीन है, उत्पादक या निर्यातक उन्हें उपलब्ध कराएगा।

(ग) कुछ विशिष्ट उत्पादन प्रक्रिया की विशेषताओं के सत्यापन के उद्देश्य हेतु जो कि विशिष्ट उदगम आवश्यकता हेतु आवश्यक है, के लिए कोई सूचना या दस्तावेज तक पहुंच जो कि ऐसी प्रक्रिया की पुष्टि की अनुमति देते हैं, और निर्यातक या उत्पादक उसे उपलब्ध कराएंगे।

(घ) जांचाधीन उदगम प्रमाणपत्र दर्शाते हुए निर्यातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार को लिखित प्रश्नावली भेजेंगे जो कि निर्यातक या उत्पादक को भेजी जाएगी।

(ङ.) निर्यातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारियों को उत्पादक के स्थानों के उत्पादन प्रक्रिया की जांच को ध्यान में रखकर और साथ में संयंत्र एवं औजार जो उत्पाद के उत्पादन प्रक्रिया में प्रयुक्त हुए हैं, जो जांचाधीन है, के दौरों को संभव बनाने की प्रार्थना कर सकते हैं।

(च) निर्यातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी यह चाहेंगे कि आयातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के प्राधिकारी उपरोक्त वर्णित दौरे में साथ रहे जिसमें विशेषज्ञों की भागीदारी भी शामिल होगी जो कि पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करेंगे। विशेषज्ञों को पूर्व में चयनित किया जाएगा जो निष्पक्ष होंगे और उनका जांच में किसी प्रकार का हित नहीं होगा। निर्यातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार ऐसे विशेषज्ञों की भागीदारी को मना करा सकती है जब भी वह कंपनी या संस्थाएं जो जांच में निहित हैं, के हितों का प्रतिनिधित्व करें।

(छ) यह आवश्यक होगा कि एक बार ऐसे दौरे की समाप्ति के बाद भागीदार इसका कार्यवृत्त बनाएंगे जिसमें यह दर्शाया जाएगा कि यह इन नियमों में स्थापित दशाओं के अनुसार किया गया था। उल्लिखित कार्यवृत्त में निम्नलिखित सूचनाओं के अतिरिक्त शामिल होगा :- दिनांक और किए गए दौरे का स्थान, उदगम प्रमाणपत्र की पहचान जिसमें जांच शुरू हुई, जांचाधीन वस्तुओं की पहचान, भागीदारों की पहचान जिसमें संस्था को दर्शाया जाए जिससे वे संबंधित हैं, दौरा रिपोर्ट।

(ज) निर्यातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के अधिक से अधिक 30 दिनों के सत्यापन दौरे को मुलत्वी करने की प्रार्थना स्वीकार करना।

(झ) जांचाधीन मामले में निहित हस्ताक्षरकर्ता पक्ष के बीच सहमत हुई कार्रवाई पर कार्य करना।

नियम 25.

निर्यातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी नियम 24(क) और (ख) के अनुसार प्रार्थित सूचना एवं दस्तावेजों को अनुरोध प्राप्त होने के 30 दिवसों के भीतर प्रार्थना के भीतर उपलब्ध करवाएंगे।

नियम 26.

नियम 24 में जैसा दर्शाया गया है, प्रक्रिया के संबंध में आयातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी, निर्यातक हस्ताक्षरकर्ता पक्ष के सक्षम प्राधिकारियों को भागीदारी या जांचाधीन मामले से संबंधित विशेषज्ञों की राय के लिए प्रार्थना कर सकते हैं।

नियम 27.

उन मामलों में जहां सूचना या दस्तावेज जो निर्यातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्रार्थियों से मांगे गए हैं, वो निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रस्तुत नहीं किए जाते हैं अथवा यदि उत्तर में सारी जानकारी या दस्तावेज शामिल नहीं है जिससे उद्गम प्रमाण पत्र जो जांचाधीन है, की सत्यता की प्रमाणिकता निर्धारित हो सके या इसके बाद यदि उत्पादक दौरे के लिए सहमत न हो, तो आयातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी यह मान सकते हैं कि जांचाधीन उत्पाद उद्गम आवश्यकताओं को पूरा नहीं करते हैं जिसके फलस्वरूप उत्पादों के अधिमान टैरिफ व्यवहार जो कि नियम 21 के अनुसार जांचाधीन उद्गम प्रमाणपत्र में वर्णित हैं, के लिए मना कर सकते हैं और इस प्रकार ऐसी जांच को समाप्त कर सकते हैं।

नियम 28.

1. आयातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार नियम 24 के अनुसार प्रार्थित सूचना की तिथि से अधिक से अधिक 90 दिनों की अवधि के अंतर्गत जांच को पूरा करेंगे।
2. यदि यह समझा जाता है कि नई जांच कार्रवाई या अधिक जानकारी की प्रस्तुति आवश्यक है तो आयातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी इस तथ्य को निर्यातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारियों को सूचित करेंगे। ऐसी नई कार्रवाई को करने या अतिरिक्त सूचना के प्रस्तुत करने की अवधि नियम 24 के अनुसार सूचना प्राप्ति की तिथि से 90 दिनों से अधिक नहीं होगी।
3. यदि जांच इसके शुरू होने से 90 दिनों के भीतर समाप्त नहीं की जाती है तो आयातक को गारंटी के संदाय से मुक्त किया जाएगा चाहे जांच जारी हो।

नियम 29.

1. आयातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी आयातकों एवं निर्यातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारियों को जांच प्रक्रिया की समाप्ति एवं इसके निर्णयों तक पहुंचने के कारणों को सूचित करेंगे।
2. आयातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी निर्यातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारियों को अपने विधान के अनुसार जांच फाइल उपलब्ध कराएंगे।

नियम 30.

जांच प्रक्रिया के दौरान जांचाधीन कंपनियों के द्वारा उत्पादन दशाओं में यदाकदा परिवर्तन को ध्यान में रखा जाएगा ।

नियम 31.

एक बार जांच वस्तुओं के उदगम और उदगम प्रमाणपत्र में उल्लिखित उदगम मानदंड की वैधता की अहंता के पक्ष में जांच पूरी हो जाती है तो आयातक नियम 18 व 22 के अंतर्गत प्रार्थित गारंटी से अधिक से अधिक 30 दिवस की अवधि से अधिक के भीतर मुक्त कर दिया जाएगा ।

नियम 32.

1. एक बार जांच में उदगम प्रमाणपत्र में उल्लिखित वस्तुओं के उदगम मानदंड की गैर अहंता स्थापित होती है तो उन पर इस प्रकार शुल्क लगाया जायेगा जैसे कि वे तृतीय देशों से वस्तुएं आयात की गई हो और इस करार में आयात की गई हो और इस करार में उल्लिखित और अथवा प्रत्येक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के यहां लागू विधान में दिए गए दंड लागू होंगे ।

2. ऐसे मामले में आयातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी - नए आयातों के लिए अधिमान टैरिफ व्यवहार से मना कर सकते हैं जो कि उसी उत्पादन से समान वस्तुओं के संबंध में है जब तक यह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित न हो कि उत्पाद दशाओं को इन नियमों में उदगम नियमों के अंतर्गत उदगम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संशोधित किया गया था ।

3. एक बार यदि निर्यातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी ने सूचना यह प्रदर्शित करते हुए भेज दी कि उत्पादक दशाएं संशोधित की गई थी तो आयातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी के पास ऐसी सूचना के प्राप्त होने के 45 दिन तक इस पर अपना निर्णय सूचित करना होगा या अधिकतम 90 दिनों तक यदि उत्पादक के स्थल पर सत्यापन दौरा नियम 24(ड.) के अनुसार यदि आवश्यक समझा जाए, निर्णय देना होगा।

4. यदि आयात और निर्यातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार उत्पादक दशाओं में संशोधन के प्रदर्शन पर सहमत नहीं होती है तो वे इस करार के अनुच्छेद 29 के अनुसार स्थापित विवाद निबटान प्रक्रिया का प्रयोग कर सकते हैं ।

नियम 33.

1. एक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार दूसरे हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार से दूसरे पक्षकार को आयात की गई वस्तुओं के उदगम की जांच करने की प्रार्थना कर सकता है जब भी सुस्थापित कारण हो यह आशंका करने के कि इसके उत्पाद में आयातित उत्पादों से अधिमान टैरिफ व्यवहार से प्रतियोगिता है जो कि इन नियमों के अंतर्गत दी गई दशाओं को पूरा नहीं करता है।

2. ऐसे उद्देश्यों के लिए हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारी जो जांच के लिए प्रार्थना करते हैं वे आयातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के अधिकारियों के ध्यान में संगत सूचना प्रार्थना की तिथि से 45 दिन के भीतर लाएंगे। एक बार सूचना मिल जाए तो आयातक पक्षकार हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार जिसने जांच शुरू करने की प्रार्थना की थी इन नियमों के अधीन नोटिस दे कर जांच प्रक्रिया शुरू कर सकता है।

नियम 34.

सत्यापन तथा उदगम नियंत्रण की कार्यवाहियाँ जो इन नियमों में उल्लिखित हैं, वे पूर्व में गृह उपयोग के लिए स्वीकृत वस्तुओं पर भी लागू होंगी।

नियम 35.

नियम 29 या नियम 32 के उप नियम 3 के अंतर्गत सूचना प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर यदि उपाय असंगत हैं तो निर्यातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार इस करार के संयुक्त प्रशासन समिति से परामर्श के लिए अनुरोध तकनीकी कारणों का उल्लेख करते हुए यह दर्शाते हुए कि आयातक हस्ताक्षरकर्ता पक्षकार के सक्षम प्राधिकारियों द्वारा अंगीकृत उपाय इन नियमों के साथ संगत नहीं है और/या तकनीकी राय की प्रार्थना कर सकता है। वस्तुएं जो जांचाधीन हैं, इस करार के उदगम नियमों के अनुसार हैं।

नियम 36.

इन नियमों में निर्धारित समय अवधि का परिकलन उस दिन से जिस दिन से तथ्य या घटना संबंधित है, लगातार दैनिक आधार पर किया जाएगा।

विशेष आर्थिक क्षेत्र

नियम 37.

1. इन नियमों में निर्धारित प्रावधान विशेष आर्थिक क्षेत्रों पर भी लागू होंगे और प्रत्येक हस्ताक्षरकर्ता पक्ष के सक्षम प्राधिकारी इस नियमों के अंतर्गत गतिविधियों के संबंध में उदगम नियंत्रण के लिए जिम्मेदार होंगे।

2. मरकोसुर राज्य और भारत सभी आवश्यक कदम यह सुनिश्चित करने के लिए उठाएंगे कि उत्पाद जिनका कि उदगम प्रमाण पत्र के अंतर्गत व्यापार किया गया था और परिवहन के दौरान अपने क्षेत्र के विशेष आर्थिक जोन का प्रयोग किया जाता है, अन्य वस्तुओं से प्रतिस्थापित नहीं, खराब होने से बचाने के लिए किये हों और उन्हें खराब होने से बचाने के लिए सामान्य उपायों के अलावा कुछ नहीं किया जाए।

3. जब वस्तुएं जो कि हस्ताक्षरकर्ता पक्षकारों में उदगमित हो और उनका नियम 17 के अंतर्गत उल्लिखित उदगम प्रमाण पत्र के अंतर्गत विशेष आर्थिक क्षेत्र में आयात हो और वे

विखंडित हों तो प्रमाणकर्ता कार्यालय या संस्थाएँ जो नियम 17(ड) में उल्लिखित हैं, मूल प्रमाणपत्र पर आधारित नया मूल प्रमाणपत्र उस मात्रा के लिए जारी कर सकती हैं जब तक कि वस्तु की कुल मात्रा पूरी न हो जाए।

[फा. सं.-467/25/2003-सीमा-शुल्क-V/आईसीडी]

सतीश कुमार रेड्डी, निदेशक

परिशिष्ट-1

1. उत्पादक या निर्यातक (नाम, पता, देश)		प्रमाण पत्र की संदर्भ संख्या भारत मरकासुर पीटीए	
2. आयातक (नाम, पता, देश)		सील, पता और प्रमाण कर्ता प्राधिकारी का नाम	
3. शिपमेंट का पोर्ट		4. गंतव्य देश	
		5. व्यापारिक बीजक संख्या बीजक	
6. आदेश संख्या	7. टैरिफ मद संख्या	8. वस्तुओं का विवरण	9. अन्य मात्रा का सकल भार
आदेश संख्या	10. उदगम मापदंड		
टिप्पणियाँ			
उदगम प्रमाणपत्र			
12. उत्पादक या निर्यातक द्वारा घोषणा अधोहस्ताक्षकर्ता एतद्वारा घोषणा करता है कि उल्लिखित वस्तुओं का उत्पादन (देश) में हुआ था और वे करार में विनिर्दिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। दिनांक मुहर एवं हस्ताक्षर		13. प्रमाणकर्ता प्राधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र लागू विधायन के अनुसार पूर्व घोषणा की प्रमाणिकता को एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है। स्थान सील एवं हस्ताक्षर	

(पीछे)

1. अधिमानता के लिए, उत्पाद :-

(क) पात्र उत्पादों के विवरणों में आना चाहिए जो करार के अंतर्गत गन्तव्य देश में छूट के लिए योग्य हो।

(ख) सीमा शुल्क टैरिफ (अधिमान व्यापार करार के अंतर्गत वस्तुओं के उदगम का निर्धारण जो कि मरकोसुर सदस्य देश की सरकारों के बीच है जिसमें अर्जेंटाइन गणराज्य, फेडरेटिव रिपब्लिक आफ ब्राजील, परूवे गणराज्य और रिपब्लिक ओरिएंटल डेल उरूग्वे और भारतीय गणराज्य है) नियम 2009 की पालना करनी चाहिए। पारेषण में प्रत्येक वस्तु को पृथक रूप से अपने हित में अर्हता प्राप्त करनी चाहिए; और

(ग) इन नियमों के द्वारा विनिर्दिष्ट पारेषण दशाओं का पालन करना चाहिए। सामान्य रूप से उत्पादों को नियम 14 के अर्थ के भीतर सीधे पारेषण करना चाहिए। निर्यात देश से गन्तव्य देश में करना चाहिए।

2. बाक्स 10 में की जाने वाली प्रविष्टियाँ

1. अधिमान उत्पादों का पूरी तरह से उत्पादन या निर्यातक संविदा पक्षकार से इस नियमों के नियम 5 के अनुसार प्राप्त की गई हो या जहां पूरी तरह से उत्पादन न हो या निर्यातक संविदा पक्षकार से प्राप्त नहीं की गई हो वे इन नियमों के नियम 4 या नियम 6 के अंतर्गत पात्र होने चाहिए।

2. उत्पाद जो पूरी तरह से उत्पादित या प्राप्त न किए गए हो तो बाक्स 10 में निम्न प्रकार इन्द्राज करें :

- बाक्स 10 में ख इन्द्राज करें जो नियम 6 के अनुसार उदगम मानदंड को पूरा करते हैं। वर्ण की प्रविष्टि के बाद माल का मूल्य, हिस्सा या उत्पाद जो कि गैर संविदा पक्षकार या प्रयुक्त अनिर्धारित उदगम से हो एफ ओ बी की प्रतिशत के रूप में उत्पाद का मूल्य दर्शाए उदाहरणार्थ ख () प्रतिशत)
- बाक्स 10 में उत्पादों के लिए ग वर्ण इन्द्राज करें जो नियम 4 के अनुसार उदगम मापदण्ड को पूरा करते हैं। वर्ण ग इन्द्राज के बाद निर्यात संविदा पक्ष के क्षेत्र में उदगम मात्रा का समग्र योग को एफ ओ बी के प्रतिशत, निर्यात उत्पाद के मूल्य के रूप में दर्शाया जाएगा (उदाहरणार्थ ग () प्रतिशत)

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****(CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 30th May, 2009

No. 56/2009-CUSTOMS (N. T.)

S.O. 1385(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), the Central Government hereby makes the following rules, namely :-

Rule 1. Short title and commencement: -

(1) These rules may be called the Customs Tariff (Determination of Origin of Goods under the Preferential Trade Agreement between the Governments of MERCOSUR Member States comprising the Argentine Republic, the Federative Republic of Brazil, the Republic of Paraguay and the Republica Oriental del Uruguay and the Republic of India) Rules, 2009 (hereinafter referred as the "Rules").

(2) They shall come into force on the 1st day of June 2009

GENERAL PROVISIONS**Rule 2. Definitions:**

For the purpose of these Rules:

(a) "chapters", "headings" and "subheadings" mean the chapters, the headings and the subheadings (two, four and six digit codes respectively) used in the nomenclature which makes up the Harmonized System or HS;

(b) "CIF price" means the price paid to the exporter for the product when the goods pass the ship's rail at the port of importation. The exporter pays the costs and freight necessary to deliver the goods to the named port of destination;

(c) "classification" refers to the classification of a product or material under a particular subheading of the HS at 6 digit level and of the respective national tariff schedules of the Signatory Parties at the 8 digit level.

(d) "customs value" means the value as determined in accordance with the Article VII and the Agreement on Implementation of Article VII of GATT 1994 (WTO Agreement on Customs Valuation);

(e) "FOB price" means the price paid to the exporter for the product when the goods pass the ship's rail at the named port of shipment, thereafter, the importer assumes all the costs including the necessary expenses to the shipment;

(f) "goods" means both materials and products

(g) "Harmonized System" means the nomenclature which makes up the Harmonized Commodity Description and Coding System including the chapters and the corresponding number codes, section notes and chapter notes, as well as the General Rules for their interpretation;

(h) "manufacture" means any kind of working or processing including assembly or specific operations;

(i) "material" means raw materials, ingredients, parts, components, subassembly and/or goods that are physically incorporated into another good or are subject to a process in the production of another good;

(j) "product" means the product being manufactured, even if it is intended for later use in another manufacturing operation;

(k) The "territory of India" means the territory of the Republic of India including its territorial waters and the air space above its territorial waters and the other maritime zones including the Exclusive Economic Zone and Continental Shelf over which Republic of India has sovereignty, sovereign rights or exclusive jurisdiction in accordance with its laws in force, the 1982 United Nations Convention on the Law of the Sea and international law.

The "territory of the Member States of MERCOSUR" means the respective territories of the Member States of MERCOSUR, including their respective territorial seas and the air space above, and other maritime zones, including the Exclusive Economic Zones and Continental Shelves over which they respectively have sovereignty, sovereign rights or exclusive jurisdiction in accordance with

their respective laws in force, the 1982 United Nations Convention on the Law of the Sea and international law.

(l) "value of originating materials" means the value of such materials on the basis of FOB value.

SECTION II

CRITERIA FOR ORIGINATING GOODS

Rule 3. General requirements

For the purpose of implementing the Preferential Trade Agreement between the Governments of MERCOSUR Member States comprising the Argentine Republic, the Federative Republic of Brazil, the Republic of Paraguay and the Republica Oriental del Uruguay and the Republic of India (hereinafter referred as the "Agreement") , the following goods shall be considered as originating from a Signatory Party:

- (a) The goods wholly produced or obtained in the territory of the Signatory Party as defined in Rule 5 of these Rules;
 - (b) The goods not wholly produced in the territory of the Signatory Party, provided that the said products are eligible under Rule 4 or Rule 6 read with Rule 7 of these Rules.
2. The provisions of paragraph 1 above excludes used or second hand goods.

Rule 4. Cumulation of origin

Goods originating in any of the Signatory Party when used as an input for a finished product in another Signatory Party, shall be considered originating in the latter.

Rule 5. Wholly produced or obtained products

The following shall be considered as wholly produced or obtained in the territory of any of the Signatory Party:

- (a) mineral products extracted from the soil or subsoil of any of the Signatory Parties, including its territorial seas, continental shelf or exclusive economic zone;

- (b) plants¹ and plant products grown, harvested, picked or gathered there including in its territorial seas, continental shelf or exclusive economic zone;
- (c) live animals² born and raised there, including by aquaculture;
- (d) products from live animals as in (c) above;
- (e) animals and products thereof obtained by hunting, trapping, collecting, fishing and capturing there; including in its territorial seas, continental shelf or in the exclusive economic zone;
- (f) waste and scrap resulting from utilization, consuming or manufacturing operations conducted in the territory of any of the Parties, provided they are fit only for the recovery of raw materials
- (g) products obtained from the seabed and subsoil beyond the limits of national jurisdiction are considered to be :
 - (i) wholly obtained in the State that has exploitation rights granted by the International Seabed Authority.
 - (ii) wholly obtained in the sponsoring State of a natural or juridical person that has exploitation rights, granted by the International Seabed Authority.
- (h) goods produced in any of the Parties exclusively from the products specified in subparagraphs (a) to (g) above.

Rule 6. *Not wholly produced or obtained products:*

1.- For the purpose of Rule 3(1) (b) the products are considered to be originating when the CIF value of all non – originating materials from countries other than the Signatory Parties and/or of undetermined origin used in its manufacture does not exceed 40% of the FOB value of the final product and the final process of manufacture is performed within the territory of the exporting Signatory Party subject to fulfillment of the provisions of Rule 7.

2.- For the purposes of determining the CIF value of non – originating materials for countries without a coastline, the first seaport or inland waterway port located in

¹ Plant refers to all plant life, including forestry products, fruits, flowers, vegetables, trees, sea weeds and fungi.

² Animals referred to in paragraph (c), (d) and (e) covers all animal life, including mammals, birds, fish, crustaceans, molluscs and reptiles.

any of the other Signatory Parties, through which those non – originating materials have been imported shall be considered as port of destination.

3- The value of the non-originating materials, parts or produce shall be:

- i) The CIF value at the time of importation of the products where this can be proven; or
- ii) The earliest ascertained price paid for the products of undetermined origin in the territory of the Signatory Party where the working or processing takes place:

4. The formula for 60% value added is as follows:

$$\frac{\begin{array}{l} \text{CIF Value of imported} \\ \text{Non-originating materials,} \\ \text{Parts or Produce} \end{array} + \begin{array}{l} \text{CIF Value of} \\ \text{Undetermined Origin} \\ \text{Materials, Parts or Produce} \end{array}}{\text{FOB price}} \times 100\% < 40\%$$

Rule 7. *Processes or operations considered as insufficient to confer originating status*

In the case of the products which have non-originating materials, the following operations, inter alia, shall be considered as insufficient working or processing to confer the status of originating products, whether or not the requirements of Rule 6 are satisfied:

- (a) preserving operations to ensure that the products remain in good condition during transport and storage such as aeration, drying, refrigeration, immersion in salty or sulphured water or in water added with other substances, extraction of damaged parts and similar operations;
- (b) Dilution in water or in any other substance which does not substantially alter the product characteristics;
- (c) Simple operations such as removal of dust, sifting, screening, sorting, classifying, grading, matching, washing, painting, husking, stoning of seeds, slicing and cutting;
- (d) simple change of package and breaking-up and assembly of packages;
- (e) simple packing in bottles, cans, flasks, bags, cases, boxes, fixing on cards or boards and all other simple packaging operations;

- (f) affixing or printing marks, labels, logos and other like distinguishing signs on products or their packaging;
- (g) simple cleaning, including removal of oxide, oil, paint or other coverings;
- (h) simple assembly of parts to constitute a complete article or disassembly of products into parts, in accordance with General Rule 2a of the Harmonised System;
- (i) slaughter of animals;
- (j) simple mixing of products, provided the characteristics of the obtained product are not essentially different from those of the mixed products;
- (k) oil application;
- (l) a combination of two or more of the above operations.

Rule 8. *Accessories, spare parts and tools*

1. Accessories, spare parts or tools delivered with the good that form part of the good's standard accessories, spare parts, or tools, shall be considered as originating if the good originates and shall be disregarded in determining whether all the non-originating materials used in the production of the good undergo the applicable change in tariff classification, provided that:

- a) the accessories, spare parts or tools are not invoiced separately from the good, notwithstanding they are detailed separately in the invoice;
- b) the quantities and value of the accessories, spare parts or tools are customary for the good.

2. Each Signatory Party shall provide that if a good is subject to a value added requirement, the value of accessories, spare parts, or tools shall be taken into account as originating or non-originating materials, as the case may be, in calculating the value added.

Rule 9. *Fungible Materials:*

1. For the purpose of establishing if a product is originating when in its manufacture are utilized originating and non-originating fungible materials, mixed or physically combined, the origin of such materials can be determined by any of the inventory management methods applicable in the Signatory Party.

2. Where considerable cost or material difficulties arise in keeping separate stocks of originating and non-originating materials which are identical and

interchangeable, the customs authorities may, at the written request of those concerned, authorise the "accounting segregation" method to be used for managing such stocks.

3. This method must be able to ensure that the number of products obtained which could be considered as "originating" is the same as that which would have been obtained if there had been physical segregation of the stocks.

4. The customs authorities may grant such authorisation, subject to any conditions deemed appropriate.

5. This method is recorded and applied on the basis of the general accounting principles applicable in the country where the product was manufactured.

6. The beneficiary of this facilitation may issue or apply for proofs of origin, as the case may be, for the quantity of products which may be considered as originating. At the request of the customs authorities, the beneficiary shall provide a statement of how the quantities have been managed.

7. The customs authorities shall monitor the use made of the authorisation and may withdraw it at any time whenever the beneficiary makes improper use of the authorisation in any manner whatsoever or fails to fulfil any of the other conditions laid down in these Rules.

Rule 10. *Sets*

Sets, as defined in General Rule 3 of the Harmonised System, shall be regarded as originating when all component products are originating. Nevertheless, when a set is composed of originating and non originating goods, the set as a whole shall be regarded as originating, provided that the CIF value of the non originating goods utilized in the composition of the set does not exceed 15% per cent of the FOB price of the set.

Rule 11. *Packages and packing materials for retail sale*

1. The packages and packing materials for retail sale, when classified together with the packaged product, according to General Rule 5 (b) of the Harmonised System, shall not be taken into account for considering whether all non-originating materials used in the manufacture of a product fulfil the criterion corresponding to a change of tariff classification of the said product.

2. If the product is subject to value added criterion, the value of the packages and packing materials for retail sale shall be taken into account in its origin assessment, in case they are treated as being one for customs purposes with the goods in question.

Rule 12. *Containers and packing materials for transport*

The containers and packing materials exclusively used for the transport of a product shall not be taken into account for determining the origin of any good, in accordance with General Rule 5 (b) of the Harmonized System.

Rule 13. *Neutral elements or indirect materials*

1. "Neutral elements" or "Indirect materials" means goods used in the production, testing or inspection of goods but not physically incorporated into the goods, or goods used in the maintenance of buildings or the operation of equipment associated with the production of goods, including:

- (a) energy and fuel;
- (b) plant and equipment;
- (c) tools, dies, machines and moulds;
- (d) parts and materials used in the maintenance of plant, equipment and buildings;
- (e) goods which do not enter into the final composition of the product;
- (f) gloves, glasses, footwear, clothing, safety equipment, and supplies;
- (g) equipment, devices, and supplies used for testing or inspecting the goods.

2. Each Signatory Party shall provide that an indirect material shall be considered to be an originating material without regard to where it is produced. Its value shall be the cost registered in the accounting records of the producer of the export product.

Rule 14. *Direct transport, Transit and Trans-shipment*

In order for the originating goods or products to benefit from the preferential treatment provided for under the Agreement, they shall be transported directly between the exporting Signatory Party and the importing Signatory

Party. The goods or products are transported directly provided:

1. They are transported through the territory of one or more Signatory Parties;
2. They are in transit through one or more territories of third countries, with or without trans-shipment or temporary warehousing in such territories, under the surveillance of the customs authorities therein, provided that:
 - i) the transit entry is justified for geographical reasons or by consideration related exclusively to transport requirements;
 - ii) they are not intended for trade, consumption, use or employment in the country of transit;
 - iii) they do not undergo operations other than unloading, reloading or any operation designed to preserve them in good condition;

SECTION III

PROOF OF ORIGIN

Rule 15. Origin Certification

1. The Origin Certificate is the document that certifies that goods fulfil the origin requirements as set out in these Rules so that they can benefit from the preferential tariff treatment as foreseen in the Agreement. The said Certificate is valid for only one importing operation concerning one or more goods and its original copy shall be included in the documentation to be presented at the customs authorities of the importing Signatory Party.
2. The issue and control of Origin Certificates shall be under the responsibility of a Government office in each Signatory Party. The Origin Certificates shall be directly issued by those authorities or through delegation as referred to in Rule 17(5)
3. The Origin Certificate shall be issued in accordance with the sample certificate of origin and notes for completion thereof, attached as Appendix-I to these Rules and upon a sworn declaration by the final producer of the goods and the respective commercial invoice.

4. In all cases, the number of the commercial invoice shall be indicated in the box reserved for this purpose in the Origin Certificate.

Rule 16. *Operations carried out by third operators*

1. If the traded good is invoiced by an operator from a third country, be it a Signatory Party or not, for the issue of the Origin Certificate, the final producer or exporter of the good shall present the first commercial invoice and a corresponding sworn declaration by the final producer certifying that the goods fulfil the origin criteria of these Rules. Value addition carried out only in the Signatory Party shall be taken into account for calculation of local value addition.
2. The producer or the exporter from the country of origin shall inform in the respective Origin Certificate, in the box reserved for "observations", that the good corresponding to the said Certificate shall be invoiced by a third operator, reproducing the following data from the commercial invoice issued by this operator: name, address, country, number and date.
3. If it is not possible to comply with the requirements mentioned in Rule 16(2), the Commercial Invoice attached to the Importation Request shall contain a Sworn Declaration attesting that the Commercial Invoice corresponds to the Origin Certificate. The Sworn Declaration shall convey the corresponding number and the date of issue of the origin certificate and shall be signed by the operator. In the event of non-compliance of this requirement, the customs authorities shall not accept the Certificate of Origin and shall not grant the tariff preferences established in this Agreement.

Rule 17. *Issue of Origin Certificates*

1. For the issue of an Origin Certificate, the final producer or exporter of the good shall present the corresponding commercial invoice and a request containing a sworn declaration by the final producer certifying that the goods fulfil the origin criteria of these Rules, as well as the necessary documents supporting such a declaration. The said sworn declaration shall contain at least the following data:
 - a) Individual's name or company name;
 - b) Legal domicile;
 - c) Description of the good to be exported and its tariff classification;
 - d) FOB value of the goods to be exported;
 - e) Information relating to the good to be exported, which must indicate:

i) materials, components and/or parts originating from the exporting Signatory Party;

ii) materials, components and/or parts originating from other Signatory Parties, indicating:

- 1) origin;
- 2) tariff classification;
- 3) CIF value, in US dollars;
- 4) Percentage on the total value of the final product.

iii) materials, components and/or parts non-originating from the Signatory Parties, indicating:

- 1) exporting country;
- 2) tariff classification;
- 3) CIF value, in US dollars;
- 4) Percentage on the total value of the final product.

iv) description of the manufacturing process.

2. The description of the good in the sworn origin declaration, which certifies the fulfilment of the origin requirements set out in these Rules, shall correspond to the respective tariff classification, as well as with the description of the good in the commercial invoice and in the Origin Certificate.

3. If the goods are regularly exported and their manufacturing process, as well as their materials are not modified, the Sworn Declaration of the Producer may be valid for a period of up to one hundred eighty (180) days counted from the date of the issue of the certificate.

4. The Origin Certificate shall be issued not later than five (5) working days after the request presentation and it shall be valid for a period of one hundred and eighty (180) days from the date of its issue, which shall be extended, for the necessary period, if the goods are under a suspensive import regime which implies the deposit of the good and does not allow any alteration of the good.

5. The Origin Certificate shall be signed and issued by Government offices to be indicated by the Signatory Parties who may delegate the signing and issuing of origin certificates to other Government offices or to highly representative corporate bodies.

6. The origin certificates shall not be issued before the date of the issue of the commercial invoice relating to the consignment, but in the same date or within the

following sixty (60) days.

7. The requesting party and the certifying offices or institutions shall keep the documents supporting the origin certificates for a period no less than five (5) years, from the date of its issue. The certifying offices or institutions shall enumerate the certificates issued by them in sequential order.

8. The certifying offices or institutions shall keep a permanent record of all issued origin certificates, which shall contain at least the certificate number, the requesting party's name and the date of its issue.

SECTION IV

CONTROL AND VERIFICATION OF ORIGIN CERTIFICATES

Rule 18.

1. Regardless of the presentation of an origin certificate in accordance with the Rules, the competent authorities of the importing Signatory Party may, in the cases of reasonable doubt, request to the competent authorities of the exporting Signatory Party any additional information necessary for the verification of the authenticity of a certificate, as well as the veracity of the information contained therein. This shall not preclude the application of the respective national legislation relating to breach of customs law.

2. The compliance with the request for additional information according to this Rule shall only be made with reference to the registers and documents available in Government offices or in the institutions entitled to issue origin certificates. Copies of the documentation necessary for the issuing of origin certificates can be made available. This Rule, however, does not restrain the interchange of information as foreseen in the Customs Cooperation Agreements.

3. The reasons for the doubts concerning the authenticity of the certificate or the veracity of its data shall be put forward in a clear and concrete way. For this purpose, the consultations thereon shall be carried out by a specific office of the competent authorities designated by each Signatory Party.

4. The competent authorities of the importing Signatory Party shall not suspend the importation operations of the goods. However, they may request a guarantee in any of its modalities, in order to preserve fiscal interests, as a pre-condition for the completion of the importation operations.

5. If a guarantee is required, its amount shall not be higher than the value of the applicable custom duties concerning the importation of the product from third countries, according to the legislation of the importing country.

Rule 19.

The competent authorities from the exporting Signatory Party shall provide the requested information according to Rule 18 within thirty (30) days, from the date of the receipt of the request.

Rule 20.

The information obtained under the provisions of Rule 19 shall be confidential in character and shall be utilised with a view to clarifying the matter under investigation by the competent authorities of the importing Signatory Party as well as during the investigation and legal proceedings.

Rule 21.

In the cases in which the information requested under Rule 18 is not provided within the deadline established in Rule 19 or is insufficient to clarify any doubt concerning the origin of the good, the competent authorities of the importing Signatory Party may initiate an investigation on the matter within sixty (60) days, from the date of the request for the information. If this information is satisfactory, the said authorities shall release the importer from the guarantee referred to in Rule 18 within thirty (30) days.

Rule 22.

1. During the period of investigation, the competent authorities of the importing Signatory Party shall not suspend new importing operations relating to identical goods from the same exporter or producer. However, they may request a guarantee, in any of its modalities, in order to preserve fiscal interests, as a pre-condition for the completion of the importation operations.
2. The guarantee amount, whenever it is requested, shall be according to Rule 18.

Rule 23.

The competent authorities of the importing Signatory Party shall immediately notify the importer and the competent authorities of the exporting Signatory Party of the initiation of the origin investigation, in accordance with the Rule 24.

Rule 24.

During the investigation proceedings, the competent authorities of the importing Signatory Party may:

a) request, through the competent authorities of the exporting Signatory Party, new information, as well as any copy of the documentation in possession of the person who issued the origin certificate under investigation, according to Rule 18, which may be deemed necessary for verifying the authenticity of the said certificates and the veracity of the information contained therein. In such a request, the number and the date of the issue of the origin certificate under investigation shall be indicated.

b) for the purposes of verification of the contents of the local or regional added value, require access to any information or documentation necessary for establishing the CIF value of the non-originating goods used in the production of the goods under investigation and the producer or exporter shall facilitate the same.

c) for the purposes of verification of the characteristics of certain production processes required as specific origin requisites, require access to any information and documentation that allow the confirmation of such processes and the exporter or producer shall facilitate the same.

d) send to the competent authorities of the exporting Signatory Party a written questionnaire to be passed on to the exporter or producer, indicating the origin certificate under investigation;

e) request to the competent authorities of the exporting Signatory Parties to facilitate visits to the premises of the producer, with a view to examining the production processes, as well as the equipment and tools utilized in the manufacture of the product under investigation.

f) require that the competent authorities of the exporting Signatory Party shall accompany the authorities of the importing Signatory Party in their above-mentioned visit, which may include the participation of specialists who shall act as observers. The specialists, who shall be previously selected, shall be neutral and have no interest whatsoever in the investigation. The exporting Signatory Party may deny the participation of such specialists whenever the latter represent the interests of the companies or institutions involved in the investigation.

g) require that once the visit is concluded, the participants shall subscribe the minutes of it, in which it shall be indicated that it was carried out according to the

conditions established in these Rules. The said minutes shall contain, in addition, the following information: date and place of the carrying out of the visit; identification of the origin certificates which led to the investigation; identification of the goods under investigation; identification of the participants, including indications of the organs and institutions to which they belong; a visit report.

h) accept the exporting Signatory Party's request for the postponement of a verification visit for a period not more than thirty (30) days.

i) carry out other actions as agreed upon between the Signatory Parties involved in the case under investigation.

Rule 25.

The competent authorities of the exporting Signatory Party shall provide the information and documentation requested according to Rule 24 (a) and (b), within thirty (30) days from the date of the receipt of the request.

Rule 26.

In relation to the proceedings as foreseen in Rule 24, the competent authorities of the importing Signatory Party may request the competent authority of the exporting Signatory Party the participation or advice of specialists concerning the matter under investigation.

Rule 27.

In the cases in which the information or documentation requested to the competent authorities of the exporting Signatory Party is not produced within the stipulated deadline, or if the answer does not contain enough information or documentation for determining the authenticity or veracity of the origin certificate under investigation, or still, if the producers do not agree to the visit, the competent authorities of the importing Signatory Party may consider that the products under investigation do not fulfil the origin requirements, and may, as a result, deny preferential tariff treatment to the products mentioned in the origin certificate under investigation according to Rule 21, and thus conclude such investigation.

Rule 28.

1. The competent authorities of the importing Signatory Party shall engage to conclude the investigation in a period not more than ninety (90) days, from the date of the receipt of the information requested in accordance with Rule 24.

2. If it is considered that new investigative actions or the presentation of more information are necessary, the competent authorities of the importing Signatory Party shall communicate the fact to the competent authorities of the exporting Signatory Party. The term for the execution of such new actions or for the presentation of additional information shall be not more than ninety (90) days, from the date of the receipt of the information, according to Rule 24.

3. If the investigation is not concluded within ninety (90) days from its initiation, the importer shall be released from the payment of the guarantee, regardless of the continuation of the investigation.

Rule 29.

1. The competent authorities of the importing Signatory Party shall inform the importers and the competent authorities of the exporting Signatory Party of the conclusion of the investigation process, as well as the reasons that led to its decision.

2. The competent authority of the importing Signatory Party shall grant the competent authority of the exporting Signatory Party the access to the investigation files, in accordance with its legislation

Rule 30.

During the investigation process, occasional modifications in the manufacturing conditions made by the companies under investigation shall be taken into account.

Rule 31.

Once the investigation concludes in favour of the qualification of the origin of the goods and the validity of the origin criterion contained in the origin certificate, the importer shall be released from the guarantees requested in Rule 18 and 22, within no more than thirty (30) days.

Rule 32.

1. Once the investigation establishes the non-qualification of the origin criterion of the goods contained in the origin certificate, the duties shall be levied as if the goods were imported from third countries and the sanctions foreseen in this Agreement and/or the ones foreseen in the legislation in force in each Signatory Party shall be applied.

2. In such a case, the competent authorities of the importing Signatory Party may deny preferential tariff treatment to new imports relating to identical good from the same producer, until it is clearly demonstrated that the manufacturing conditions were modified so as to fulfil the origin requirements of the Rules of Origin of these Rules.

3. Once the competent authorities of the exporting Signatory Party has sent the information demonstrating that the manufacturing conditions were modified, the competent authorities of the importing Signatory Party shall have forty five (45) days, from the date of the receipt of the said information, to communicate its decision thereupon, or a maximum of ninety (90) days if a new verification visit to the producer's premises, according to Rule 24 (e), is deemed necessary.

4. If the competent authorities of the importing and the exporting Signatory Parties fail to agree on the demonstration of the modification of the manufacturing conditions, they may make use of the Dispute Settlement Procedure established as per Article 29 of this Agreement.

Rule 33.

1. A Signatory Party may request another Signatory Party to investigate the origin of a good imported by the latter from other Signatory Party, whenever there are well-founded reasons for suspecting that its products undergo competition from imported products with preferential tariff treatment which do not fulfill the conditions laid down under these Rules.

2. For such purposes, the competent authorities of the Signatory Party requesting the investigation shall bring to the notice of the authorities of the importing Signatory Party the relevant information within forty five (45) days, from the date of the request. Once this information is received, the importing Signatory Party may initiate the proceedings established in these Rules, giving notice of this to the Signatory Party that requested the initiation of the investigation.

Rule 34.

The proceedings of verification and control of origin as foreseen in these Rules may also apply to the goods already cleared for home consumption.

Rule 35.

Within sixty (60) days, from the receipt of the communication as provided in Rule 29 or sub-rule (3) of Rule 32, in case the measure is inconsistent, the exporting

Signatory Party may request for consultation to the Joint Administration Committee of this Agreement, stating the technical and legal reasons that would indicate that the measure adopted by the competent authorities of the importing Signatory Party are not consistent with these Rules; and/or request a technical advice with the aim of establishing whether the goods under investigation fulfil the origin rules of this Agreement.

Rule 36.

The time periods set in these Rules shall be calculated on a consecutive day basis as from the day following the fact or event which they refer to.

Special Economic Zones

Rule 37.

1. The provisions set out in these Rules shall also apply to Special Economic Zone and the competent authorities in each Signatory Party will be responsible for the control of origin with respect to activities covered under this Rule.
2. The MERCOSUR States and India shall take all necessary steps to ensure that products, traded under cover of a certificate of origin which in the course of transport use a Special Economic Zone situated in their territory, are not substituted by other goods and do not undergo handling other than normal operations designed to prevent their deterioration.
3. When goods originating in the Signatory Parties are imported into a Special Economic Zone under cover of the origin certificate mentioned in Rule 17 and are fractioned, the certifying offices or institutions mentioned in Rule 17(5) may issue a new origin certificate, based on the original one, for the quantity that is required, until the total quantity of goods is covered.

[F. No. 467/25/2003-Cus. V/ICD]

SATISH KUMAR REDDY, Director

Appendix-I

Form Agreed upon by India and Mercosur for the origin Certificate**CERTIFICATE OF ORIGIN**

1. Producer or exporter (name, address, country)		Reference No. of Certificate India-Mercosur PTA	
2. Importer (name, address, country)		Stamp, address and name of the Certifying Authority	
3. Port of shipment		4. Country of destination	
		5. Commercial invoice Number Date / /	
6. N. ^o Order	7. tariff item number	8. Description of goods	9. Gross weight or other quantity
N. ^o Order	10. Origin criterion		
11. Observations			
ORIGIN CERTIFICATION			
12. Declaration by the Producer or Exporter: The undersigned hereby declares that the mentioned goods were produced in (country) and they comply with the origin requirements specified in (Agreement). Date / / Stamp and signature		13. Certification by Certifying Authority: It is hereby certified the authenticity of the previous declaration in accordance with the applicable legislation. (Place), Stamp and signature	

(back)

I. To qualify for preference, products must:

a. fall within a description of products eligible for concessions in the country of destination under this agreement.

b. comply with Customs Tariff (Determination of Origin of Goods under the Preferential Trade Agreement between the Governments of MERCOSUR Member States comprising the Argentine Republic, the Federative Republic of Brazil, the Republic of Paraguay and the Republica Oriental del Uruguay and the Republic of India) Rules, 2009. Each Article in a consignment must qualify separately in its own right; and

c. comply with the consignment conditions specified by these Rules. In general products must be consigned directly within the meaning of Rule 14 hereof from the country of exportation to the country of destination.

II. Entries to be made in Box 10

Preference products must be wholly produced or obtained in the exporting Contracting Party in accordance with Rule 5 of these Rules, or where not wholly produced or obtained in the exporting Contracting Party must be eligible under Rule 4 or Rule 6 of these Rules.

1. If products are wholly produced or obtained enter the letter 'A' in box 10.

2. Products not wholly produced or obtained; the entry in box 10 should be as follows:

- Enter letter 'B' in box 10 for products, which meet the origin criterion according to Rule 6. Entry of letter would be followed by the sum of the value of materials, parts or produce originating from non-contracting parties or undetermined origin used, expressed as a percentage of the F.O.B. value of the products; (example B() percent).

- Enter letter 'C' in box 10 for products, which meet the origin criteria according to Rule 4. Entry of letter 'C' would be followed by the sum of the aggregate content originating in the territory of the exporting Contracting Party expressed as a percentage of the F.O.B. value of the exported product: (example 'C' () per cent).